पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि हर बच्चे को पढ़ाया जाना चाहिए, बल्कि हर बच्चे को सीखने की इच्छा दी जानी चाहिए।

संपादक :सत्यन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : बुधवार 06 मई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

बंगाल में नई सरकार की शपथ 9 मई को

अमित शाह पर्यवेक्षक होंगे, नड्डा को असम की जिम्मेदारी; एसआईआर में नाम कटा, बाद में विधायक बना

नई दिल्ली एजेन्सी। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल के इतिहास में पहली बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के मुताबिक नई सरकार का शपथग्रहण 9 मई को होगा।

इसी दिन रवींद्र नाथ टैगोर की 165वीं जयंती है। दरअसल बांग्ला कैलेंडर के मुताबिक यह तिथि 25 वैशाख को होती है। जो आमतौर पर मई के दूसरे हफ्ते में पड़ती है।

भाजपा ने बंगाल में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए गृह मंत्री अमित शाह को पर्यवेक्षक बनाया है। वहीं, असम के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

इधर, फरक्का से कांग्रेस के मोताब शेख की जीत खास रही। चुनाव से कुछ हफ्ते पहले उनका नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था। हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद उनका नाम वापस जोड़ा गया। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी समेत कई नेताओं ने ञस्ष्ट की हार के लिए ममता बनर्जी को जिम्मेदार बताया है।

देश की 78% आबादी और 72% भूभाग पर अब भाजपा+ का राज

गंगासागर से कन्याकुमारी तक पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने भाजपा विरोधी राजनीति के बड़े 'पॉवर सेंटर्स' को बड़ा झटका दिया है। ममता बनर्जी और एमके स्टालिन भाजपा को चुनौती देने वाले प्रमुख चेहरे थे।

बंगाल (42) और तमिलनाडु (39) लोकसभा की 81 सीटें तय करते हैं। इनके ढहने से इंडिया गठबंधन पिछड़ गया। केरल में कांग्रेस की जीत उसे राहत देती है, लेकिन यह बढ़त विपक्ष में नई खींचतान शुरू करेगी। अब विपक्ष की लड़ाई सत्ता की नहीं, प्रासंगिकता बचाने की हो गई है।

टीवीके विधायक दल के नेता चुने गए विजय

टीवीके ने तमिलनाडु में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए विजय को पर्यवेक्षक बनाया है। विजय की पार्टी ने 108 सीटों पर जीत दर्ज की है। सरकार बनाने के लिए 10 और सीटों की जरूरत है।

सुकांत मजूमदार बोले- मोदी-शाह की रणनीति और कार्यकर्ताओं के बलिदान से जीत मिली

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि मैं बंगाल के मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की मेहनत और रणनीति हम सबके लिए सीख है। अमित शाह की माइक्रो मैनेजमेंट और पूरे संगठन के समन्वय की वजह से यह जीत मिली है।

बंगाल के भाजपा कार्यकर्ता अलग ही स्तर के हैं। उन्होंने इस दिन को देखने के लिए बहुत संघर्ष किया। 2 मुस्लिम और 300 से ज्यादा हिंदू कार्यकर्ताओं की जान गई, फिर भी बाकी कार्यकर्ता डटे रहे। मैं सलाम करता हूं, जिन्होंने बिना भोजन और सुरक्षा के भी लड़ाई जारी रखी।

पहले एसआईआर में नाम कटा, अब 8 हजार वोटों से जीते

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के मोताब शेख की जीत खास रही। चुनाव से कुछ हफ्ते पहले उनका नाम वोटर लिस्ट से तकनीकी कारणों के चलते हटा दिया गया था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने नए बने अपीलेट ट्रिब्यूनल को मामला देखने का निर्देश दिया।

ट्रिब्यूनल ने पासपोर्ट समेत उनके दस्तावेज सही पाए और उन्हें वैध मतदाता घोषित कर दिया। करीब 27 लाख आवेदनों में उनका मामला सबसे पहले मंजूर हुआ।

नाम बहाल होने के बाद शेख ने फरक्का सीट से चुनाव लड़ा और बीजेपी के सुधीर चौधरी को 8 हजार से ज्यादा वोटों से हरा दिया।

समिक भट्टाचार्य बोले- हमारा मकसद सिर्फ सरकार बदलना नहीं

बंगाल बीजेपी के स्टेट प्रेसिडेंट समिक भट्टाचार्य ने कहा- हमारा मकसद सिर्फ एक सरकार या एक चीफ मिनिस्टर को बदलना नहीं था। हम इस पॉलिटिकल सोसाइटी को बदलना चाहते हैं, जो सोशली बहुत दबी हुई है। हमें सोशल प्लूरलिज्म वापस लाना है। यह डबल इंजन वाली सरकार है।

हमने मैनिफेस्टो में जो कुछ भी शामिल किया, उस पर पहले हमने आपस में चर्चा की। सेंटर से लेकर स्टेट तक सबने हिस्सा लिया। प्राइम मिनिस्टर ने भी इसे देखा, होम मिनिस्टर ने भी इसे देखा और होम मिनिस्टर ने रेजोल्यूशन लेटर अनाउंस किया। हमने जो कमिटमेंट किया था, उसकी गारंटी है कि वह होगा।

कुछ जगहों पर लोगों ने बीजेपी का झंडा लेकर तोड़-फोड़ की। हम इसकी निंदा करते हैं। हम यह साफ करना चाहते हैं कि अगर कोई ऐसा करता है, तो हम उन्हें पार्टी से निकालने के लिए मजबूर होंगे।वेस्ट बंगाल के लिए पूरे देश में सेलिब्रेशन हुए। अब हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। हम उनसे निपट रहे हैं। हम अपने वर्कर्स से कहना चाहते हैं कि वे शांति से रहें और किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाएं।

महुआ बोलीं- लोगों की इच्छा सबसे ऊपर, बंगाल को बीजेपी चाहिए थी, मिल गई

महुआ मोइत्रा ने बंगाल में टीमएसी की हार के बाद मंगलवार सुबह एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा-

लोगों की इच्छा सबसे ऊपर है। अगर बंगाल को बीजेपी चाहिए थी तो बंगाल को बीजेपी मिल गई है। हम इसका सम्मान करते हैं। हमने अकल्पनीय मुश्किलों के खिलाफ एक असमान पिच पर अच्छी लड़ाई लड़ी और इसके लिए मुझे अपने नेता और अपनी पार्टी पर गर्व है।हम एक धर्मनिरपेक्ष देश के लिए खड़े रहेंगे और लड़ेंगे जहां संविधान आखिरी शब्द हो, न कि क्रूर बहुमतवाद जय हिंद।

विजय की जीत पर पिता बोले- मुझे गर्व है, विश्वास था कि वह सीएम बनेगा

टीवीके प्रमुख विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने कहा कि एक पिता के तौर पर मुझे बहुत गर्व और खुशी है। मेरे बेटे को मेरी शुभकामनाएं। पिछले दो साल में उसका आत्मविश्वास शानदार रहा है। उसे विश्वास था कि वह तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनेगा। एक नेता के रूप में उसका साहस है कि वह बिना किसी गठबंधन के अपने दम पर खड़ा हुआ। मुझे लगता है कि यह विजय के लिए ऐतिहासिक सफलता और ऐतिहासिक जीत है।

चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला: फ्लाइट में पावर बैंक में आग, केबिन धुएं से भरा

(समाचार केन्द्र)

चंडीगढ़। मंगलवार को चंडीगढ़ हवाई अड्डा पर एक बड़ा हादसा टल गया, जब हैदराबाद से आ रही इंडिगो की फ्लाइट में एक यात्री के पावर बैंक में अचानक आग लग गई। घटना के बाद विमान के अंदर धुआं भर गया, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, सतर्कता दिखाते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट 6श्व-108 में कुल 198 यात्री सवार थे, जिनमें दो बच्चे और छह क्रू मेंबर शामिल थे। विमान दोपहर 3:29 बजे सुरक्षित लैंड कर चुका था और स्टैंड की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान सीट 39ष्ट पर बैठे यात्री ने क्रू को अपने बैग में रखे पावर बैंक में आग लगने की सूचना दी।

आग लगते ही केबिन में धुआं फैल गया। स्थिति को देखते हुए तुरंत इमरजेंसी प्रोटोकॉल अपनाया गया और यात्रियों की निकासी शुरू कर दी गई। इस दौरान 5 यात्रियों के घायल होने की आशंका जताई गई है, जिन्हें अस्पताल भेजा गया है।

एयरलाइन इंडिगो ने बयान जारी कर कहा कि लैंडिंग के बाद विमान स्थिर अवस्था में था, तभी एक यात्री के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण में आग लगने की सूचना मिली। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तुरंत सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया और संबंधित एजेंसियों को सूचित किया गया। फिलहाल सभी यात्री सुरक्षित हैं और विमान की जांच के बाद ही आगे संचालन शुरू किया जाएगा।

वहीं नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के नियमों के अनुसार, फ्लाइट में पावर बैंक केवल हैंड बैगेज में रखने की अनुमति होती है, लेकिन उड़ान के दौरान उससे किसी भी उपकरण को चार्ज करना मना है। साथ ही पावर बैंक या अतिरिक्त बैटरियों को ओवरहेड कंपार्टमेंट में रखना भी प्रतिबंधित है, क्योंकि ऐसी स्थिति में आग पर काबू पाना मुश्किल हो सकता है।

बंगाल में सीएम भजनलाल शर्मा का 100% स्ट्राइक रेट

मुख्यमंत्री ने जिन सीटों पर सभा की, सभी बीजेपी जीती; राजस्थानियों की भूमिका भी अहम रही

जयपुर कासं। सीएम भजनलाल शर्मा का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट रहा। उन्होंने जिन 6 सीटों पर सभाएं और रोड शो किए, उन सभी पर बीजेपी को जीत मिली। इस जीत में प्रवासी राजस्थानियों ने भी अहम भूमिका निभाई है। सीएम भजनलाल शर्मा ने सिलीगुड़ी, भवानीपुर, बाली, हावड़ा उत्त, बारानगर, बैरकपुर सीटों पर सभाएं और प्रचार किया।

केरल में राजीव चंद्रशेखर के नामांकन में पहुंचे थे सीएम

सीएम भजनलाल शर्मा केरल बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के नामांकन में पहुंचे थे और वहां उनके लिए प्रचार किया था। राजीव चंद्रशेखर ने केरल की नेमोम विधानसभा सीट से सीपीएम उम्मीदवार वी सिवनकुट्टी को हराया है।

राजस्थान के नेताओं को बंगाल चुनावों में दी गई थी बड़ी जिम्मेदारी : बंगाल में बीजेपी की जीत की रणनीति को धरातल तक उतारने के लिए राजस्थान के नेताओं को भी बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी। चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और छह विधायकों सहित करीब 50 नेताओं ने बंगाल चुनावों में काम किया था। भूपेंद्र यादव ने प्रभारी के तौर पर जीत की रणनीति को धरातल तक उतारने में माइक्रो प्लानिंग की। सुनील बंसल को संगठन के साथ चुनावी रणनीति का लंबा अनुभव है। बंगाल में भी चुनाव अभियान से लेकर धरातल तक पूरी रणनीति बनाने में साथ रहे। हाईकमान से लेकर ग्राउंड वर्कर तक संपर्क में रहे। बंसल यूपी में भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

भवानीपुर में कई महीने तक डटे रहे राजेंद्र राठौड़ : ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से चुनाव हार गईं, ममता को उनकी ही सीट पर हराने के लिए बीजेपी ने लंबी तैयारी की। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के पास भवानीपुर में चुनाव मैनेजमेंट की जिम्मेदारी थी। भवानीपुर से ममता बनर्जी को हराने में उनकी रणनीति महत्वपूर्ण थी।

वोटर्स तक पहुंचने से लेकर बूथ तक लाने तक की रणनीति तैयार : राजेंद्र राठौड़ ने वोटर्स तक पहुंचने से लेकर बूथ तक लाने तक की रणनीति तैयार कर स्थानीय नेताओं-कार्यकर्ताओं से समन्वय किया। राजेंद्र राठौड़ को चुनाव लड़ने का लंबा अनुभव है। फंसे हुए चुनावों में गेम बदलने के राठौड़ के अनुभव का भवानीपुर में इस्तेमाल किया गया।

बीजेपी की जीत में प्रवासी राजस्थानियों का भी बड़ा रोल : बंगाल में प्रवासी राजस्थानी बड़ा समुदाय है। बंगाल के उद्योग व्यापार में आजादी के पहले से राजस्थानियों का दबदबा है। प्रवासी राजस्थानियों को एकजुट करने और उन्हें इन चुनावों में सक्रिय रूप से लगाने के लिए राजस्थान के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई। इस बार प्रवासी राजस्थानियों ने सबसे ज्यादा सक्रियता दिखाई।

छात्रों के लिए राहत: 2026-27 में भी मिलेंगी प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप

जयपुर (खबर आस पास)। राजस्थान के लाखों विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। सत्र 2026-27 में भी राज्य सरकार की प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं जारी रहेंगी। पात्र विद्यार्थियों को पहले की तरह इनका लाभ मिलेगा और इस बार भी उन्हें अलग से आवेदन नहीं करना होगा।

शिक्षा विभाग के अनुसार, छात्रवृत्ति की पूरी प्रक्रिया शाला दर्पण पोर्टल के जरिए स्कूल स्तर से ही पूरी की जाएगी। सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को विद्यार्थियों का डेटा अपडेट कर ऑनलाइन प्रस्ताव भेजना होगा। इसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है, ताकि समय पर छात्रवृत्ति राशि विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

प्री-मैट्रिक योजनाओं के तहत कक्षा 6 से 10 तक अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा कक्षा 1 से 10 तक सफाई एवं स्वास्थ्य कार्य से जुड़े परिवारों के बच्चों के लिए भी विशेष योजना लागू रहेगी। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में कक्षा 9-10 के SC, ST और OBC विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा।

वहीं पोस्ट-मैट्रिक स्तर पर कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों के लिए SC, ST, OBC, आर्थिक पिछड़ा वर्ग (EBC) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (MBC) की छात्रवृत्तियां जारी रहेंगी। साथ ही शहीद या दिव्यांग सैनिकों के बच्चों तथा भूतपूर्व सैनिकों की प्रतिभावान पुत्रियों के लिए भी विशेष योजनाएं लागू रहेंगी।

शिक्षा विभाग का कहना है कि इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़े रखना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इस बार भी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है।

लौटेगा कोडमदेसर तालाब का वैभव, जिला परिषद की टीम ने किया निरीक्षण

भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के मानद प्रतिनिधि बैद ने जताया आभार

(खबर आस पास)

बीकानेर। बीकानेर श्रेयांस बैद धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण कोडमदेसर के तालाब के पुनरुद्धार को लेकर जिला परिषद ने पहल तेज कर दी है। जिला कलेक्टर और जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी के निर्देशानुसार जिला परिषद की टीम ने अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका तलानिया के नेतृत्व में शनिवार को तालाब का निरीक्षण किया और इसके वैभव को पुनः लौटाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर मंथन किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने तालाब की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया तथा साफ-सफाई, गाद निकासी और जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की। विशेष रूप से नहर से तालाब में जल आपूर्ति की संभावनाओं को लेकर तकनीकी पहलुओं का आकलन किया गया, जिससे वर्षभर जल की उपलब्धता बनी रहे और तीर्थ स्थल की गरिमा बरकरार रखी जा सके।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब के पुनर्जीवन के लिए शीघ्र ही ठोस कार्ययोजना तैयार कर अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि कोडमदेसर तीर्थ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण स्थल है, ऐसे में इसके संरक्षण और विकास के लिए समन्वित प्रयास जरूरी हैं।

यहां ये गौरतलब है कि कोडमदेसर तालाब में पेयजल की व्यवस्था एवं विकास को लेकर भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के मानद प्रतिनिधि श्रेयांस बैद ने जिला कलेक्टर को वहां की दुर्दशा पर चिंता जताते हुए जीव जंतुओं के कल्याण व पुनरुद्धार के संदर्भ में प्रेषित पत्र पर वहां की अव्यवस्थाओं का जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद द्वारा अवलोकन करने पर बैद ने जिला कलेक्टर का आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर विकास अधिकारी कोलायत वीरपाल सिंह, जेठाराम कुम्हार एवं सहायक अभियंता सहित पंचायत राज से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

साउथ सिनेमा को बड़ा झटका: दिग्गज प्रोड्यूसर आरबी चौधरी का सड़क हादसे में निधन

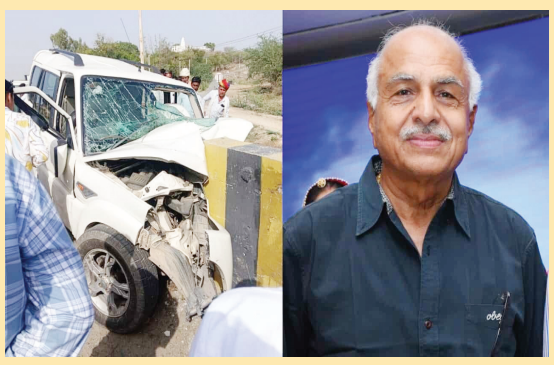

उदयपुर/चेन्नई (खबर आस पास)। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने प्रोड्यूसर आरबी चौधरी का सड़क हादसे में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार उदयपुर में उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। इस खबर के सामने आते ही फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई और कलाकारों व प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आरबी चौधरी ने अपने लंबे करियर में तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषाओं में 100 से ज्यादा फिल्मों का निर्माण किया। उन्होंने साल 1988 में सुपर गुड फिल्म्स नाम से अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की थी। इसी बैनर तले उनकी पहली फिल्म 'अधिपापम' रिलीज हुई, जिसके बाद उन्होंने लगातार कई सफल फिल्मों का निर्माण किया और साउथ सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बनाई।

उनकी बनाई फिल्मों में लव टुडे, जॉली, मिस्टर रोमियो और एसीपी शिवा जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनकी आखिरी फिल्म 'मरीसन' (2025) रही, जिसमें फहाद फासिल मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म भी दर्शकों के बीच सराही गई थी।

बताया जा रहा है कि 6 मई को उनका पार्थिव शरीर चेन्नई ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। आरबी चौधरी के निधन से साउथ फिल्म इंडस्ट्री को बड़ा नुकसान हुआ है। उनके योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा।

चलती बस से फेंके जाने का आरोप: 4 दिन बाद युवक की मौत, बीकानेर में हंगामा

बीकानेर **(खबर आस पास)**। श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र के एक युवक की चलती बस में मारपीट के बाद संदिग्ध हालात में मौत हो गई। युवक ने 4 मई को पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद मंगलवार को परिजन और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग मॉर्च्युरी के बाहर जमा हुए और बाद में कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरने पर बैठ गए।

मामला आड़सर गांव निवासी हनुमान नायक से जुड़ा है। परिजनों के मुताबिक, 30 अप्रैल को वह प्राइवेट बस में सफर कर रहा था। इसी दौरान बस में सवार चार लोगों–सुभाष मेघवाल, नेतराम मेघवाल, किशनाराम मेघवाल और सहीराम मेघवाल ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि चारों ने उसके हाथ-पैर पकड़कर चलती बस से बाहर फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया

घटना के बाद घायल अवस्था में उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार दिन तक इलाज चलने के बाद 4 मई (सोमवार) को उसकी मौत हो गई। घटना के दूसरे दिन 1 मई को मृतक के भाई जगदीश ने श्रीडूंगरगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया था। उस समय पुलिस ने केस हत्या के प्रयास की धाराओं में दर्ज किया था, जिसे अब पोस्टमार्टम के बाद हत्या के मामले में परिवर्तित किया जाएगा।

वहीं, पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच में यह सामने आया है कि युवक को जैतसर बस स्टैंड पर उतारा गया था। इसके बाद वह कैसे घायल हुआ, इसकी जांच की जा रही है। बस के अंदर क्या हुआ, इसको लेकर भी पुलिस अलग-अलग पहलुओं से पड़ताल कर रही है।

मौत के बाद परिजनों में भारी आक्रोश है। सोमवार शाम को पुलिस ने पंचनामा तैयार कर लिया था, लेकिन पोस्टमार्टम को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। पहले परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए, लेकिन बाद में उन्होंने मना कर दिया। शव फिलहाल पीबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा हुआ है।

मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण मॉर्च्युरी के बाहर एकत्र हुए। इसके बाद दोपहर करीब 3 बजे सभी लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरने पर बैठ गए। परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी, जबकि धरना जारी है।

ग्राम रथ अभियान : मंगलवार को 25 ग्राम पंचायतों तक पहुंचे रथ

जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों और विकास अधिकारियों ने किया निरीक्षण

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद 5 मई। ग्राम रथ अभियान के तहत मंगलवार को जिले के पांचों ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों की 25 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान ग्यारह हजार से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी रही। एलईडी स्क्रीन के माध्यम से विभिन्न डॉक्यूमेंट्री फिल्में दिखाई गई तथा विभिन्न विभागों का 25 हजार से अधिक साहित्य वितरित किया गया।

जिला कलक्टर निशान्त जैन के निर्देशानुसार मंगलवार को उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों और विकास अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में अभियान का निरीक्षण किया।

नोखा उपखण्ड अधिकारी गोपाल जांगिड़ ने जसरासर में आयोजित रात्रि चौपाल और जनसुनवाई में भागीदारी निभाई। इस दौरान बिजली, पानी, सड़क सहित विभिन्न विषयों से जुड़े प्रकरण प्राप्त हुए।

कोलायत उपखण्ड अधिकारी श राजेश नायक ने रावनेरी में आयोजित चौपाल में जनसुनवाई और रथ का निरीक्षण किया। इस दौरान विकास अधिकारी श्री वीरपाल सिंह भी मौजूद रहे।

लूणकरणसर उपखण्ड अधिकारी दयानन्द रूयल और विकास अधिकारी किशोर कुमार ने ढाणी पांडुसर में ग्राम रथ अभियान का अवलोकन किया तथा संध्या चौपाल में जनसुनवाई की। इस दौरान पेयजल, विद्युत, प्रधानमंत्री आवास आदि से जुड़े 13 प्रकरण प्राप्त हुए। इनमें 9 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

खाजूवाला उपखण्ड अधिकारी पंकज गढ़वाल ने सीमांत क्षेत्र 5 केवाईडी में ग्राम रथ अभियान का अवलोकन किया। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया।

श्रीडूंगरगढ़ तहसीलदार श्रीवर्धन शर्मा ने आडसर में ग्राम रथ अभियान का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट के बारे में भी बताया। जिला कलक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को अभियान के बचे हुए दिनों में नियमित रूप से निरीक्षण करने, ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने सहित प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

मंगलवार को इन स्थानों पर हुए आयोजन

ग्राम रथ अभियान के तहत मंगलवार को लूणकरणसर विधानसभा के गोपल्यान, मनाफरसर, राजासर और ढाणी पाण्डुसर में, नोखा के सलूण्डिया, माडिया, सिंजगुरु, सुरपुरा और सिनियाल में, श्रीडूंगरगढ़ के डेलवा, उदरासर, जालबसर, सुरजनसर और आडसर में, खाजूवाला के माधोडिग्गी, सामरदा, 7 पीएचएम, कुंडल व 5 केवाईडी में तथा कोलायत विधानसभा के चकबन्धा नंबर 1, मढ, बीठनोक, गोविंदसर, मण्डाल चारनान व? रावनेरी में रथों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

ढाणी पांडुसरः लूणकरणसर
आडसर : श्रीडूंगरगढ़
5 केवाईडीः खाजूवाला

जनगणना-2027 : प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर निशान्त जैन ने की स्व-गणना

प्रत्येक नागरिक समयबद्ध और सटीकता से भरें आकड़े: जिला कलक्टर

(खबर आस पास)

बीकानेर। बीकानेर श्रेयांस बैद 5 मई। प्रमुख जनगणना अधिकारी और जिला कलक्टर निशान्त जैन ने जनगणना-2027 के पहले चरण के तहत मंगलवार को आनॅलाइन माध्यम से स्व-गणना की।

जिला कलक्टर ने एस.ई. डॉट सेंसस डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना की। इस दौरान पूछे सभी प्रश्नों का सही-सही जवाब देकर इन्हें सबमिट किया। जिला कलक्टर ने आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक राष्ट्रीय महत्त्व के इस कार्य में अपनी भागीदारी निभाएं तथा भारत सरकार द्वारा राजस्थान के लिए निर्धारित पहले चरण के तहत 15 मई तक शत-प्रतिशत स्व-गणना कर अपनी भूमिका का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि उनके विभाग का कोई भी कार्मिक इससे वंचित नहीं रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि जनगणना, हमारे भविष्य का आधार स्तम्भ है। इसके आंकड़ों के अनुसार देश की नीतियां, योजनाओं और कार्यक्रम निर्धारित होते हैं। इसके मद्देनजर उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक समस्त आवश्यक सूचनाएं सही-सही भरें। यह पूर्णतया गोपनीय रहेंगी। उन्होंने कहा कि स्वगणना के दौरान प्राप्त एसई-आई अपने पास रखें तथा 16 मई से 14 जून के दौरान मकान सूचीकरण और मकानों की गुणना के दौरान आने वाले प्रगणकों को यह आईडी उपलब्ध करवाएं। यह आईडी उनके कार्य में सहयोगी रहेगी और सरकार को सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध हो पाएगी।

जिला कलक्टर के साथ ही अतिरिक्त कलक्टर (नगर) रमेश देव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने स्वगणना की। इस दौरान सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक धर्मपाल खींचड़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता सत्र आयोजित, विद्यार्थियों को किया जागरूक

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (राजस्थान उच्च न्यायालय) जयपुर के निर्देशानुसार 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडेज' अभियान के तहत बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता सत्र मंगलवार को आयोजित किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव तथा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मांडवी राजवी द्वारा वृंदावन एंक्लेव स्थित एच.पी. मोदी स्कूल में छात्र-छात्राओं को संबोधित किया गया।

उन्होंने कहा कि बचपन जीवन का सबसे सुंदर और महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसमें बच्चों को शिक्षा, खेल और अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन समाज में आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा के कारण कई बच्चों का बचपन उनसे छिन जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि यह एक दंडनीय अपराध भी है।

उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह होने से बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से बालिकाओं को शिक्षा से वंचित कर दिया जाता है और उन्हें समय से पहले जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पड़ता है। इसके साथ ही घरेलू हिंसा का खतरा भी बढ़ जाता है, क्योंकि कम उम्र में लड़कियां अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होतीं और शोषण का विरोध नहीं कर पातीं।

कार्यक्रम में घरेलू हिंसा के विभिन्न रूपों जैसे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक उत्पीड़न, आर्थिक नियंत्रण और डराने, धमकाने पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि यह समस्या अक्सर घर की चारदीवारी के भीतर छिपी रहती है, लेकिन इसके प्रभाव गहरे और दूरगामी होते हैं।

उन्होंने 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006' और 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005' की जानकारी देते हुए कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज की सोच में बदलाव जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे ऐसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाएं और जागरूकता फैलाएं।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रशिक्षु न्यायिक मजिस्ट्रेट, विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

बंगाल में सत्ता संग्राम: हार के बाद भी ममता अड़ीं, अब गवर्नर के फैसले पर नजर

कोलकाता (खबर आस पास)। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी जीत के बाद भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने चुनाव परिणाम को मानने से इनकार करते हुए चुनाव आयोग और भाजपा पर धांधली के आरोप लगाए हैं।

ममता बनर्जी का कहना है कि उनकी पार्टी नैतिक रूप से चुनाव जीती है और परिणाम में गड़बड़ी हुई है। इस बयान के बाद राज्य में सियासी टकराव बढ़ गया है और अब सबकी नजर राज्यपाल की भूमिका पर टिक गई है।

संविधान के तहत गवर्नर के पास 4 विकल्प

राज्यपाल, जो राज्य के संवैधानिक प्रमुख होते हैं, ऐसी स्थिति में कई कदम उठा सकते हैं–

1. इस्तीफा या फ्लोर टेस्ट

गवर्नर मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांग सकते हैं। यदि वे मना करें तो विधानसभा में फ्लोर टेस्ट कराकर बहुमत साबित करने को कह सकते हैं।

2. नई सरकार बनाने का न्योता

294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 207 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत बताया जा रहा है। ऐसे में गवर्नर भाजपा विधायक दल के नेता को सरकार बनाने का आमंत्रण दे सकते हैं, साथ ही मौजूदा सरकार को भी बहुमत साबित करने का अवसर दिया जा सकता है।

3. मंत्रिपरिषद को बर्खास्त करना

अगर मुख्यमंत्री बहुमत खो चुके हों और स्थिति अस्थिर हो, तो गवर्नर मंत्रिपरिषद को बर्खास्त कर सकते हैं। हालांकि यह कदम बहुत कम परिस्थितियों में उठाया जाता है।

4. राष्ट्रपति शासन की सिफारिश

यदि कोई स्थिर सरकार नहीं बन पाती, तो गवर्नर अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकते हैं। हालांकि मौजूदा स्थिति में यह संभावना कम मानी जा रही है।

बीजेपी ने तेज की सरकार गठन की तैयारी

भारतीय जनता पार्टी अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार विधायक दल का नेता जल्द चुना जा सकता है। वहीं तृणमूल कांग्रेस कानूनी लड़ाई और विरोध प्रदर्शन की रणनीति तैयार कर रही है।

झुंझुनूं के बेटे का बंगाल में जलवा: पूर्व आईपीएस सुरोलिया ने 90 दिन में टीएमसी का गढ़ ढहाया

(खबर आस पास)

कोलकाता/झुंझुनूं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों में कई बड़े राजनीतिक उलटफेर देखने को मिले, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा डॉ. राजेश कुमार सुरोलिया की जीत को लेकर हो रही है। झुंझुनूं के मुकुंदगढ़ में जन्मे सुरोलिया ने जगतदल विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज कर तृणमूल कांग्रेस के मजबूत गढ़ को ध्वस्त कर दिया।

यह जीत महज एक सीट तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे बंगाल की राजनीति में बदलती सोच और नए नेतृत्व के उभार का संकेत माना जा रहा है। प्रशासनिक पृष्ठभूमि और साफ-सुथरी छवि के चलते सुरोलिया को जनता का व्यापक समर्थन मिला।

डॉ. सुरोलिया का सफर बेहद अलग और प्रेरणादायक रहा है। वे 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं और जनवरी 2026 में सेवानिवृत्त हुए थे। सेवा के दौरान वे कोलकाता में एडीजी (क्राइम) जैसे अहम पद पर रहे और अपनी सख्त कार्यशैली व ईमानदार छवि के लिए जाने जाते थे। रिटायरमेंट के तुरंत बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा, जो अपने आप में बड़ा फैसला था।

खास बात यह रही कि उन्होंने महज 90 दिनों के भीतर चुनावी मैदान में उतरकर जीत हासिल कर ली। इतने कम समय में संगठन खड़ा करना, जनता के बीच पहुंच बनाना और मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराना उनकी रणनीति और लोकप्रियता दोनों को दर्शाता है। भाजपा ने उन्हें टिकट देकर बड़ा दांव खेला था, जो पूरी तरह सफल साबित हुआ।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह जीत सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उस बदलाव का संकेत है जहां जनता अब पारंपरिक राजनीति से हटकर साफ छवि और प्रशासनिक अनुभव वाले चेहरों को मौका दे रही है। आने वाले समय में यह ट्रेंड और मजबूत हो सकता है, जिससे बंगाल की राजनीति में नए समीकरण देखने को मिल सकते हैं।